SUNDAY | 21.03.2021 उत्तर प्रदेश

अमर उजाला

PAGE NO 10 : MIDDLE RIGHT

जहर से भी खतरनाक है गलत सोच

रिद्धिमा में आयोजित नाटक में दिखाए गए गलत सोच के दुष्परिणाम

अमर उजाला ब्यूरो

बरेली। इंसान की गलत सोच जहर से भी ज्यादा खतरनाक होती है। शनिवार को रिद्धिमा में आयोजित नाटक 'जहर' में गलत सोच के दुष्परिणामों को कुशलता पूर्वक प्रस्तुत किया गया।

माडल टाउन चौकी के सामने स्थित एसआरएमएस ट्रस्ट के मंच एवं कला केंद्र रिद्धिमा में शनिवार को कृष्णराज (नाट्य वेद थिएटर) द्वारा रचित नाटक 'जहर' का मंचन किया गया। यह नाटक एक ही परिवार के सदस्यों के अंदर छुपे लालच को एकदम हिंसक रूप में यथार्थ की तरह सामने लाता है। तीन पात्रों के इर्द-गिर्द घूमने वाले नाटक जहर में विवाह के पश्चात पति-पत्नी और प्रेमियों की आंतरिक भावनाओं को बड़ी ही खूबसूरती से दर्शाया गया है। इसमें दिखाया गया है कि किस तरह एक आदमी अपने ही दिमाग में बने हुए एक जाल में फंसता चला जाता है। यह एक थ्रिलर ब्लैक कॉमेडी नाटक है। लेखक ने बड़ी ही खूबसूरती से प्रेम को लेकर उच्च वर्गीय और मध्यवर्गीय पुरुषों की मानसिकता को दर्शाया है।

रिद्धिमा में नाटक जहर के मंचन का एक भावपूर्ण दृश्य। *अमर उजाला*